प्लवक क्रैश

[स्रोत: द हिंदू]

हाल ही में [राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT)] पैनल ने पुडुचेरी में समुद्र के लाल होने का कारण **प्लवक क्रैश (Plankton Crash)** की घटना को बताया है।

- NGT पैनल ने अपशिष्टों के कारण शैवालीय प्रस्फुटन और संदूषण को खारिज़ करते हुए सुझाव दिया कि वहाँ उच्च लौह सांद्रता थी जो सामान्यतः प्लवक प्रस्फुटन को बढ़ावा देती है।
- एक विशिष्ट **एककोशिकीय फाइटोप्लांकटन प्रजाति**, ***?????????? ????????? (Noctiluca scintillans)*** का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा जल में लाल रंग के निर्वहन के लिये ज़िम्मेदार था।
- समुद्र की सतह का तापमान, जल की लवणता, pH और घुलित ऑक्सीजन जैसे **पर्यावरणीय पैरामीटर** फाइटोप्लांकटन क्रैश के लिये अनुकूल थे।

शैवाल प्रस्फुटन:

- **शैवाल प्रस्फुटन** को जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में शैवाल की संख्या में तेज़ी से वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- इसे आमतौर पर जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में पोषक तत्त्व **(जैसे नाइट्रोजन या फास्फोरस)** के प्रवेश के कारण जल की सतह पर होने वाले मलिनकिरण से पहचाना जाता है

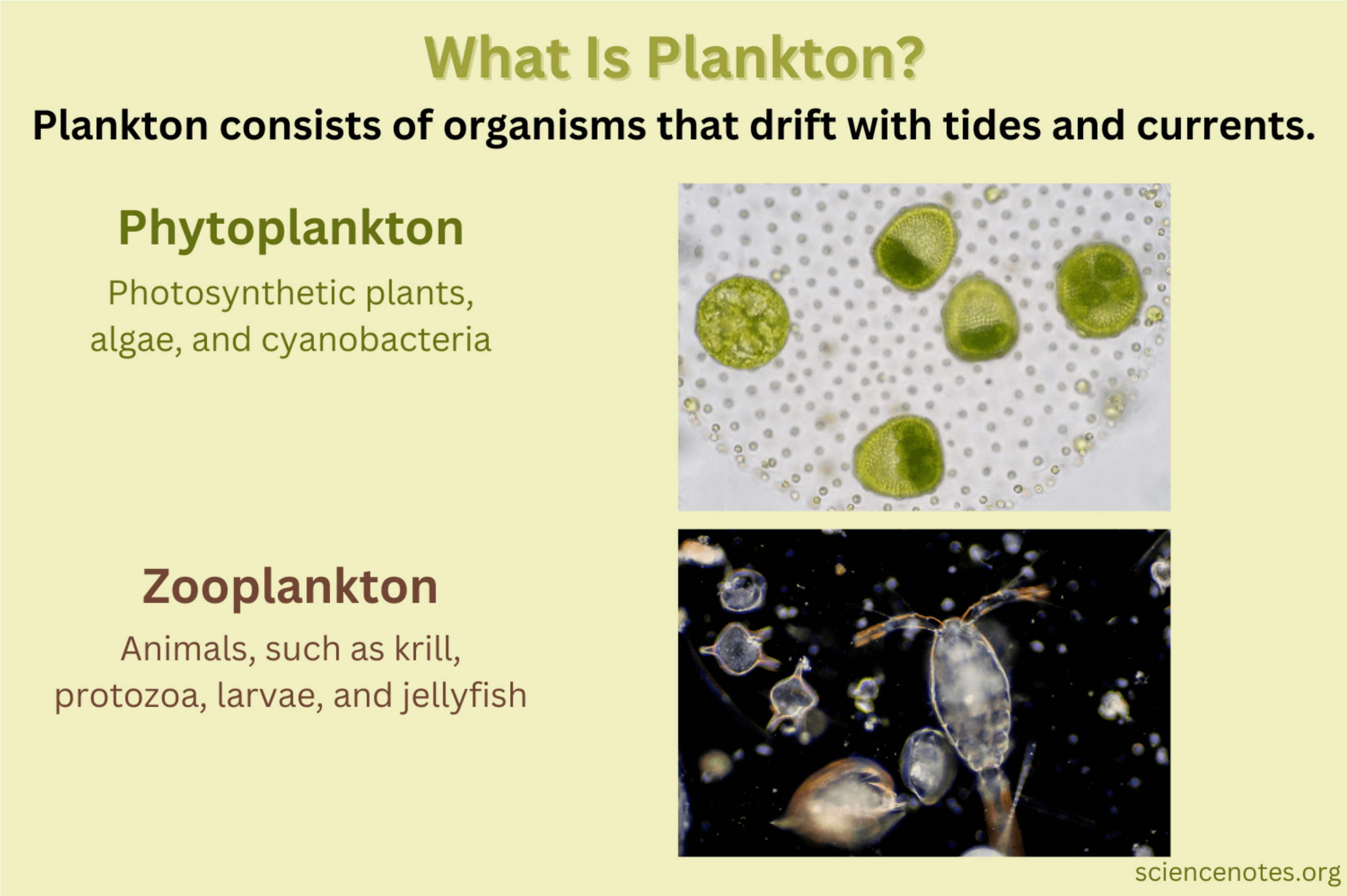

//

और पढ़ें: हानिकारक शैवाल ब्लूम राष्ट्रीय हरित अधिकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/plankton-crash